Lecture - (146)

गुप्तकाल भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग

- Mamta Rani
Guest Assistant Prof
Deptt. of History
~~BA~~
SNSRKS College,
Saharsa.

BA Part - I.
Paper - Ist.

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

गुप्त काल में ये तत्व मौजूद थे जिसके कारण कला विज्ञान और साहित्य अपने चरमोत्कर्ष को प्राप्त किया। इस काल में संस्कृत को राजभाषा का दर्जा प्राप्त था जिससे संस्कृत साहित्य का अभूतपूर्व विकास हुआ। गुप्त सम्राटों ने उच्चकोटि के विद्वानों को संरक्षण प्रदान किया। कालिदास इस युग के विभूति थे। प्रसिद्ध कोशकार अमरसिंह इसी युग के थे। प्रसिद्ध दार्शनिक वसुबन्धु इसी युग में थे। इसी काल में आर्यभट्ट तथा वाराहमिहिर जैसे गणितज्ञ एवं ज्योतिषाचार्य उत्पन्न किये। कला एवं स्थापत्य के क्षेत्र में इस समय उल्लेखनीय प्रगति हुई। सूमरा तथा नचना के शिव-पार्वती मन्दिर, सारनाथ तथा मथुरा की बुद्ध एवं विष्णु की मूर्तियाँ, अजन्ता की चित्रकारियाँ निश्चय ही भारतीय कला के इतिहास में अपनी समकक्षता नहीं

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

margin

'परम भागवत' की उपाधि धारण ग्रहण करते थे। परन्तु अन्य धर्मों के प्रति उदार एवं सहिष्णु बने रहे। के सी श्रीवास्तव अपनी पुस्तक प्राचीन भारत का इतिहास एवं संस्कृति में लिखा है कि "गुप्त शासकों ने न तो अपने धर्म को बलात् किसी के ऊपर लादने का प्रयास किया और न ही अन्य धर्मावलम्बियों के प्रति किसी प्रकार का अत्याचार अथवा दुर्व्यवहार किया। वास्तव में यदि देखा जाय तो यह काल धार्मिक सहिष्णुता का काल रहा जिसमें ब्राह्मण, बौद्ध, जैन आदि विभिन्न मतानुयायियों को परस्पर प्रेम एवं सौहार्दपूर्वक निवास करते थे"।4. गुप्तकाल की अनेक जैन मूर्ति मथुरा से प्राप्त हुई हैं। फाहियान के विवरण से बौद्ध धर्म की उन्नत दशा का बोध होता है। चन्द्रगुप्त द्वितीय का मंत्री वीरसेन शैव था। कुमारगुप्त प्रथम ने नालंदा में बौद्ध महाविहार का निर्माण कराया। गुप्त सम्राटों ने ब्राह्मणेतर सम्प्रदायों के विकास के लिए राजकोष से आर्थिक मदद प्रदान किया। धार्मिक सहिष्णुता भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषता रही है तथा इसका सही प्रतिबिम्ब हमें गुप्त काल में ही दिखाई पड़ता है।

कला साहित्य और विज्ञान की वृद्धि के लिए शांति व सुव्यवस्था एक प्रमुख कारक होता है। और

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

आर्थिक ~~दृष्टि~~ ~~के~~ दृष्टिकोण से भी गुप्त शासन काल समृद्ध था। आय का प्रमुख स्रोत कृषिकार्य ही था परन्तु वाणिज्य व्यापार का समुचित विकास हुआ। समूचे राज्य में अनेक व्यापारिक श्रेणियाँ तथा निगम होते थे। पश्चिम में भड़ौच तथा पूर्व में ताम्रलिप्ति प्रमुख बंदरगाह थी। भारत का व्यापार फारस, मिस्र, अरब, रोम, चीन तथा दक्षिण पूर्वी एशियों से होता था। ~~बाहरी~~ विदेशों में भारतीय वस्तुओं की बड़ी मांग थी। इस समय बड़े-बड़े जहाजी बेड़ों का निर्माण किया गया था। जावा के बोरोबुदुर स्तूप के उपर जहाज के कई चित्र अंकित मिलते हैं जिससे इस बात की सूचना मिलती है कि भारतीयों ने बड़े-2 जहाजों द्वारा वहाँ प्रवेश किया। सुप्रसिद्ध कलाविद आनन्द कुमारस्वामी के शब्दों में 'गुप्तकाल ही भारतीय पोत निर्माण कला का महानतम युग था जबकि पेंगु, कम्बोडिया, जावा, सुमात्रा बोर्नियो में भारतीयों ने उपनिवेश स्थापित किये तथा चीन, अरब और ~~फारस~~ ~~के~~ फारस के साथ इनका व्यापारिक संबंध था।' 3. गुप्त शासकों ने सर्वाधिक स्वर्ण मुद्रा जारी किया। इस ~~प्रकार~~ प्रकार गुप्तकाल आर्थिक सम्पन्नता का काल रहा।

गुप्तकाल में वैष्णव धर्म अपनी शिखर पर था। गुप्त सम्राट '~~परम~~

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz